http://gshindi.com : One stop platform for all competitive examinations in hindi language.

बैंकों का फंसा कर्ज उनके बाजार पूंजीकरण से ज्यादा

संभावित प्रश्न: क्या होती है गैर निष्पादनीय परिसंपत्तियां? एनपीए के लिए उत्तरदायी क्षेत्र कौन कौन से हैं?

- सरकारी बैंकों के फंसे कर्जों (NPA) की हालत बेहद बिगड़ चुकी है। उनका एनपीए बढ़कर चार लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है।

-०-० यह इन बैंकों के समस्त शेयरों के बाजार मूल्य (बाजार पूंजीकरण) का डेढ़ गुना है।

-०-० अगर इन बैंकों के शेयरधारक हैं, तो आप इसे यूं समझ सकते हैं। इनके शेयरों में लगी आपकी 100 रुपये की शेयर पूंजी के मुकाबले आप पर 150 रुपये के डूबते कर्जों का बोझ है।

- सरकारी की तुलना में निजी बैंकों के एनपीए का अनुपात उनके कुल बाजार पूंजीकरण का महज 6.6 फीसद है।

-०-० अगर उन कर्जों को भी जोड़ लिया जाए जो बस एनपीए घोषित होने वाले हैं, तो सरकारी बैंकों की हालत और भी खराब नजर आएगी। इस सूरत में इन बैंकों की स्ट्रेस्ड असेट्स आठ लाख करोड़ के भी पार चली जाएंगी।
- यही हाल देखकर रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के गवर्नर रघुराम राजन ने इन बैंकों अपने एनपीए का खुलासा करने को मजबूर किया है। उन्होंने सरकारी बैंकों के लिए बहीखातों (बैलेंसशीट) को साफ कर बाहर आने के लिए मार्च, 2017 तक का वक्त दिया है।

=>क्या होती है गैर निष्पादनीय परिसंपत्तियां (Non - Performing Asset) ?

-०-० बैंक जो ऋण उपभोक्ताओं को प्रदान करते हैं उसका भुगतान उपभोक्ता द्वारा किश्त में किया जाता है यदि ये निर्धारित समय पर बैंक को वापस प्राप्त नहीं होता है तो इसे Non - Performing Asset कहते हैं
- एनपीए किसी बैंकिंग पद्धति के क्रियाकलाप को पूर्णतया अव्यवस्थित कर देते हैं और उसके संचालन को ठप्प होने कगार पर पहुँचा देते हैं

एनपीए(NPA) के लिए उत्तरदायी क्षेत्र :-
- ऐसे छह सेक्टर की निशानदेही की गई, जो कर्ज लौटाने में सबसे फिसड्डी हैं। फंसे हुए कुल कर्ज में इस्पात और स्टील, कपड़ा, उर्जा, चीनी, अल्युमिनियम और निर्माण सेक्टर की हिस्सेदारी पचास फीसदी से अधिक है।
- इसका अर्थ यह भी है कि जब तक इनकी हालत नहीं सुधरती, तब तक बैंकों की एनपीए में विशेष सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

- बैंकों के कर्ज वसूली पंचाटों (डेब्ट रिकवरी ट्रिबुनल-डीआरटी) का ढुलमुल कामकाज भी कमजोर वसूली का बड़ा कारण है।

Source URL :
https://gshindi.com/category/banking/baainkaon-kaa-phansaa-karaja-unakae-baajaara-pauunjaikarana-s

ae-jayaadaa

http://gshindi.com